एक नजर में

दसई चौकी के कुंडाल में पुल पार करते समय बाइक समेत बहे पिता-पुत्र

सरदारपुर . थाना अमझेरा अंतर्गत पुलिस चौकी दसई शनिवार 20/09/2025 को गोकुल पिता मुकेश 25 साल जाति भील निवासी कुंडल आनंद पिता गोकुल उम्र 6 साल निवासी कुंडल दोनों पिता पुत्र रात्रि मजदूरी करके घर लौट रहे थे करीबन रात 10 बजे ग्राम कुंडाल में पुल क्रॉस करते समय पुल पर पानी होने से मोटर सायकल सहित पिता पुत्र पानी में बह गए है जिसमें से गोकुल पानी से सकुशल निकल गया है किन्तु बालक आनंद बह गया है। ग्रामीणों के द्वारा सुबह पुलिस चौकी पर सूचना दी गई सूचना के तत्काल चौकी प्रभारी जगदीश चंद्र निनामा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे साथ ही राजस्व विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची। कुछ समय बाद अमझेरा थाना प्रभारी राजू मकवाना भी मौके पर पहुंचे वह गोताखोरों व टीम के द्वारा लगातार सर्चिंग के बाद भी शाम तक भी आनंद नहीं मिला रेस्क्यू टीम के द्वारा देर शाम तक सर्चिंग जारी रही.

नर्मदा बाई चावड़ा का 101 वर्ष में स्वर्गवास

सरदारपुर । बड़ोदियामे पांच भाइयों की लाडली बहना नर्मदा बाई चावड़ा, 101 वर्ष में स्वर्गवास हो गया पूरे नगर में शोक की लहर छा गई,,, स्वर्गीय, थावरजी चावड़ा की धर्मपत्नी एवं बगदीराम एवं मुन्नालाल चावड़ा की पूज्य माताजी और गणेश,चंचल एवं जितेंद्र की दादीजी नर्मदा बाई चावड़ा का स्वर्गवास हो गया है माही नदी मुक्तिधाम पर परिवार एवं समाज जनो द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई माता जी को भगवान अपने श्री चरणोंमे स्थान प्रदान करें नर्मदा बाई व्यवहार बहुत ही अनुकूल एवं खुशमिजाजक थे भगवान केपति आस्था रखने वालेथे इसीलिए भगवान का आशीर्वाद रहा जो उन्होंने 101 वर्ष में अंतिम सांसे ली.

गायत्री महायज्ञ अनुष्ठान का आयोजन

बदनावर । समीप ग्राम बामनसुता में एक दिवसीय श्री कौशिक गायत्री परिवार शाखा उज्जैन,कोटा राजस्थान के नेतृत्व द्वारा बाबा रामदेव मंदिर परिसर में गायत्री महायज्ञ अनुष्ठान का आयोजन किया सर्व प्रथम बाबा रामदेव जी महाराज की पूजा पाठ कर आचार्य महेंद्र वैष्णव,,भारत सिंह द्वारा विधि विधान के साथ गायत्री मंत्रोचार से यजमानों द्वारा पवित्र अग्नि कुंड में आहुति अर्पित की प्रवचन उद्बबोधन गुरुदेव युधिष्टिर कौशिक महाराज ने नशा मुक्त हो परिवार का संकल्प दिलाया हम सबको सनातन धर्म के पांच स्तम्भ गंगा,गीता,गायत्री,गऊ और गुरु के सरक्षण व संवर्धन के लिए प्रयास करते रहना चाहिए व अपने घरों पर धर्म ध्वजा लगाए जिससे धर्मा नुकूल वातावरण हमेशा बना रहे घरों में परिवार सहित नित्य सुबह पूजा पाठ करे इससे परिवार मोहल्लों में सकारात्मक ऊर्जा हमेशा बिनी रहती हैं, मंदिर परिसर पर हवन पूजन के बाद महा आरती कर भंडारे का आयोजन किया मुख्य यजमान अम्बाराम सहपत्नी फूंदीबाई मंडलोई थे । दिनेश मूणत ने बताया कि गुरुदेव युधिष्टिर सिंह कौशिक मालवा प्रान्त के प्रवास पर थे इस दौरान कंही गांवों में जाकर यज्ञ संस्कार दीक्षा करवाई जिसमे मथुरी रतलाम,खे?वदा ब?नगर, मुलथान ,सरस्वती कालोनी बदनावर आदि स्थानों पर अपने साधकगण के यंहा पहुंचे थे । बामनसुता में भी ब?ा आयोजन हुआ इस अवसर पर गायत्री परिवार के भेरूलाल मूणत,सत्यनारायण राठौर छायन,वरदीचंद राठौर काछी ब?ेदा,कमलसिंह राठौर,रतन मंडलोई,दुलीचन मुनिया,मोहन राठौर,रामलाल मंडलोई,दुलीचन्द डावर,किशोर मंडलोई,सावरिया मुनिया,सुनील निनामा,टीकमदास बैरागी,भरत मंडलोई,भरतलाल खराड़ी,सुभाष अमलियार,राम डावर,चम्पालाल पाटीदार,राकेश मंडलोई आदि बड़ी संख्या में महिला पुरुष गायत्री परिवार के साधकगण उपस्थित थे । जनकारी मुकेश मंडलोई द्वारा दी गई.

सेवा पखवाड़े में नरेंद्र मोदी विचार मंच का पौधारोपण अभियान शुरू

कुक्षी । नगर के सौंदर्यकरण के साथ नगर को हराभरा बनाने की दिशा मे संकल्पित मोदी विचार मंच द्वारा नरेंद्र मोदीजी के जन्मदिन के उपलक्ष्य मे सेवा पखवा?ा मनाते हुए वृक्षारोपण अभियान के द्वितीय चरण का शुभारम्भ किया। पौधरोपण अभियान नरीमन प्वाइंट स्थित होटल कल्याण से प्रारम्भ किया। मंच विधानसभा अध्यक्ष दिलीप जैन सेकेट्री नें बताया की सेवा पखवा? के साथ पौधरोपण कर नगर को हराभरा बनाये रखने मे जन सहयोग की सराहना की .इस मौके पर एसडीएम विशाल धाक?,वरिष्ठ समाजसेवी लूणकरणजी गुप्ता, पोरवा? समाज के अध्यक्ष उत्सव लालजी गुप्ता,अनोखीलाल भावसार,नरेश सेठ जैन,जिनेन्द्र जैन,अर्पित गुप्ता,कमल अग्रवाल,बंशीलाल बा?मेरा,महिमाराम पाटीदार,अतुल अग्रवाल बाबूलाल गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता एसडीओ,राजेंद्र गुप्ता बुक, डॉ ओमप्रकाश जी गुप्ता आदि नगर के गणमान्य जन मौजूद थे.

धार गायत्री शक्तिपीठ पर सर्वपितृ अमावस्या पर विधि विधान के साथ संपन्न हुआ तर्पण कार्य

धार . सोलह दिवसीय श्राद्ध पक्ष के अंतिम दिन सर्वपितृ अमावस्या पर आज रविवार को धार जिला मुख्यालय स्थित गायत्री शक्तिपीठ पर सर्व पितृ अमावस्या का पर्व श्रद्धा, भक्ति के साथ मनाया गया। धार गायत्री शक्तिपीठ के प्रमुख ट्रस्टी रमेश चंद्र सचान ने बताया कि बड़ी संख्या में गायत्री परिजनों ने सर्वपितृ अमावस्या पर पितृरो का तर्पण किया। मंत्रोच्चार के साथ जल तर्पण के बाद पिंड पूजन कर तर्पण किया गया।

नवभारत

झाबुआ में अखबार, विज्ञापन व समाचार हेतु संपर्क करें:

बाली न्यूज एजेंसी

(लक्की शर्मा झाबुआ जिला ब्यूरो)

मो. न.- 6260765562, 7470402906

कार्यालय -राजवाडा (झाबुआ)

ग्राम नवासा में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का समापन

श्रीकृष्ण का जीवन केवल धर्म स्थापना और युद्ध विजय तक सीमित नहीं था, बल्कि यह प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना से भी जुड़ा हुआ था : संत रामचरण दास त्यागी

धार । समीप ग्राम ग्राम नवासा में सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का समापन हुआ। स्वर्गीय ठाकुर करण सिंह राठौर की पुण्य स्मरण में पितृ पक्ष के 15 सितंबर से 21 सितंबर तक पितृ मोक्ष कल्याण हेतु कथा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य कथा वक्ता राष्टीय संत बाल योगेश्वर श्री 108 रामचरण दास त्यागी महाराज के मुखारविंद से कथा अमृत वर्षा का आयोजन किया गया। कथा के मुख्य यजमान जसवंत सिंह राठौर पूर्व सरपंच नवासा थे। कथा विश्राम दिवस के दिन संत राम चरण दास त्यागी महाराज जी द्वारा कंस वध श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह प्रसंग का वृतांत समझाया।

संत बाल योगेश्वर श्री 108 रामचरण दास त्यागी महाराज अपने कथा उद्बोधन में कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन केवल धर्म स्थापना और युद्ध विजय तक सीमित नहीं था, बल्कि यह प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना से भी जुड़ा हुआ था। उनके जीवन की अनेक लीलाओं में से एक सबसे महत्वपूर्ण घटना थी रुक्मिणी विवाह। यह केवल एक राजकुमारी और एक राजकुमार का विवाह नहीं था, बल्कि यह सच्चे प्रेम, भक्ति और समर्पण की विजय की कहानी है।

रुक्मिणी ने भगवान श्रीकृष्ण को मन, वचन और कर्म से अपना पति मान लिया था, लेकिन उनके भाई रुक्मी ने उनके विवाह को रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया। फिर भी, जब प्रेम सच्चा हो और भक्ति अडिग हो, तो स्वयं भगवान उसे सफल बनाते हैं। यही सिद्धांत इस कथा का मूल है।

श्रीकृष्ण और रुक्मिणी का विवाह केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि यह प्रेम, भक्ति और शक्ति का अद्भुत संगम है।श्रीकृष्ण और रुक्मिणी का जीवन हमें आदर्श दांपत्य जीवन और परम भक्ति का मार्ग दिखाता है। यह कथा हर भक्त और प्रेमी के लिए एक प्रेरणा है कि सच्चे प्रेम और विश्वास से हर कठिनाई को पार किया जा सकता है।

सप्त दिवसीय भागवत कथा में संत श्याम दास जी महाराज भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष दिलीप पटोदिया इंदौर ग्रामीण पूर्व जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा महेश बैरागी डॉ प्रहलाद सिंह सोलंकी डॉ अमृत पाटीदार भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा सामाजिक कार्यकर्ता हरीश रघुवंशी सहित अनेक क्षेत्रीय धर्म प्रेमी जनता ग्राम नवसा पहुंचकर कथा श्रवण की। कथा विश्राम दिवस के दिन ग्राम में भव्य शोभायात्रा निकाली गई तथा महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया। उक्त जानकारी लाखन सिंह नवासा ने दी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन, जगह-जगह हुआ स्वागत

सरदारपुर। रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राजगढ खंड के गुमानपुरा एवं पिपरनी मंडल का संचलन निकला। दोनों ही स्थानों पर बडी संख्या में गणवेशधारी स्वयंसेवक अनुशासन में कदमताल करते हुए निकले। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर स्वयंसेवकों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

ग्राम पिपरनी में सीरवी समाज धर्मशाला में स्वयं सेवकों का एकत्रीकरण हुआ। यहां मुख्य वक्ता के रूप में संघ के जिला संघ चालक बाबूलाल हाम? मौजूद रहे। वही गांव के वरिष्ठ दिनेश पडियार व मंडल कार्यवाह गोविंद सोलंकी भी मंचासिन रहे। पिपरनी मंडल के 6 गांवो से स्वयंसेवको ने संचलन में सहभागिता कि।

वही गुमानपुरा में हाईस्कूल परिसर में हुए एकत्रिकरण में मुख्य वक्ता के रूप में संघ के रिंगनोद उपखंड के बौद्धिक शिक्षण प्रमुख देवेंद्र सतपु?ा शामिल हुए। वही गांव के वरिष्ठ नारायण चौधरी व मंडल कार्यवाह देव सिलाका भी मंचासिन रहें। संचलन में गुमानपुरा मंडल के 9 गांवों से स्वयंसेवको ने सहभागिता की। दोनों ही स्थानों पर परिचय, अमृत वचन व एकल गीत के बाद वक्ताओं ने उपस्थित स्वयंसेवको को संबोधित करते हुए राष्टीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ की शाखा के माध्यम से ही व्यक्ति का निर्माण होता हैं। संघ का स्वयंसेवक विभिन्न अनुसांगिक संगठनों के माध्यम से समाज सेवा का कार्य कर रहे हैं। वक्ताओं ने कहा कि समरस हिन्दू समाज ही वैभवशाली हिन्दुस्थान की नींव है। उन्होंने संघ के पंच परिवर्तन कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य व स्वदेशी आधारित जीवन शैली को अपनाने का आव्हान किया।

धार जिला कांग्रेस समन्वयन समिति बैठक संपन्न, हस्ताक्षर अभियान का हुआ शंखनाद

वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान को लेकर जिले भर से डेढ़ लाख हस्ताक्षर का लक्ष्य

धार । रविवार को जिला कांग्रेस कार्यालय पर नेता प्रतिपक्ष गंधवानी विधायक उमंग सिंघार के मुख्य आतिथ्य में एवं नवनियुक्त जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा माता सरस्वती जी,गांधी जी, अम्बेडकर जी, टंट्या मामा जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर की गई।तत्पश्चात बैठक प्रारंभ करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी से आए निर्देशों को जिलाध्यक्ष द्वारा रखे गए। जिसमें सभी सदस्यों ने अपने अपने सुझाव रखे। सदस्यों के सुझावों को गंभीरता से लेते हुए मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने संबोधित करते हुए वोट चोर गद्दी छोड़ के विषय में बताते हुए कहा कि पार्टी का यह अभियान जन जन तक जाए। अभियान को लेकर जनता को जागृत करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही जिला कांग्रेस कार्यालय के नव निर्माण हेतु 1000000 (दस लाख) की राशि जिलाध्यक्ष स्वतंत्र जोशी को सौंपी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवनियुक्त जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी ने प्रदेश कांग्रेस से निर्देशों के विषय में बताते हुए वोट चोर गद्दी छोड़ के अंतर्गत धार जिले में 1,50,000 से अधिक सदस्यों का हस्ताक्षर अभियान चलाने हेतु शंखनाद किया

कार्यक्रम को वरिष्ठ विधायक भंवरसिंह शेखावत, विधायक प्रताप ग्रेवाल, विधायक सुरेन्द्र बघेल, पूर्व विधायक पाचीलाल मेडा, पूर्व विधायक बालमुकुंदसिंह गौतम, वरिष्ठ कांग्रेसी मुजीब कुरैशी, पूर्व जिला अध्यक्ष कमल किशोर पाटीदार, प्रदेश सचिव सुहैल निसार, सहसचिव हरदेव सिंह जाट सहित मोर्चा संगठन अध्यक्ष, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस सहित समस्त सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला प्रवक्ता एडवोकेट अजय मनोहरसिंह ठाकुर ने किया। आभार बाग ब्लॉक कांग्रेस रोहित झंवर ने माना।

इंटरनेशनल मैगजीन में इस युवा उद्यमी हर्षवर्धन के सफलता की कहानी का वर्णन

बदनावर/प्रसिद्ध कवि सोहन लाल द्विवेदी की कविता की यह लाइन आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती को सार्थक किया बदनावर के युवा उद्यमी हर्षवर्धन शर्मा (टिंकू भैया) ने। जिन्होंने बदनावर जैसे छोटे से कसबा का नाम अंतरास्ट्रीय स्तर पर ले गए है। गत दिनों फुकेट में अपोलो की तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय फार्म कॉन्क्लेव संपन्न हुई जिसमें अपोलो के छह हजार से अधिक डीलरों में से मात्र अड़सठ डीलर इस फॉर्म कान्क्लेव कॉन्टेस्ट को अचीव कर पाए। पूरे मध्य प्रदेश से सिर्फ 9 डीलर ही इसे अचिव कर पाए जिसमें इंदौर मालवा रीजन से संपूर्ण टायर बदनावर द्वारा इससे अचीव किया गया। प्राकृतिक समुद्र की लहरों के किनार स्थित शेरटन के 4 पॉइंट रिसॉर्ट में यह आयोजन अपनी भव्यता के साथ संपन्न हुआ। बदनावर के लिए गौरव की बात है के इस बड़े टारगेट वाले कांफ्रेंस में नगर के युवा व्यवसायी ने अपनी मेहनत के बल पर यह जगह बना पाई।

अपोलो टायर्स द्वारा अपोलो की इंटरनेशनल मैगजीन में इस युवा उद्यमी के सफलता की कहानी का वर्णन भी हुआ जो बदनावर जैसे छोटे से क्षेत्र में से निकले व उद्यमी के लिए गर्व की बात है। अपोलो टायर्स के उपाध्यक्ष वाणिज्यिक (भारत, सार्क और दक्षिण पूर्व एशिया देशों के प्रभारी) राजेश दहिया ने इनकी इस उपलब्धि के लिए बहुत बधाई दी उज्जवल। भविष्य की शुभकामनाएं दी और जल्द ही बदनावर आने का वादा किया।

प्राय: आज तक इस तरह की उपलब्धियां सिर्फ इंदौर भोपाल या जबलपुर जैसे महानगर के ही डीलर वितरक साथी कर पाते थे पर इस बार इंदौर भोपाल जबलपुर ग्वालियर जैसे शहरों को पछा?कर बदनावर ने अपनी जगह बनाई। नो साल पहले बदनावर में टायर की एक छोटी सी दुकान खोलने वाले हर्षवर्धन शर्मा ने अपने अथक परिश्रम और ग्राहकों के विश्वास को जीत कर आज क्षेत्र के सबसे ब? टायर विक्रेता में जाने जाते है। अपने कार्य क्षेत्र का विस्तार करते हुए हर्षवर्धन ने इंदौर में संपूर्ण एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिलेट कम्पनी खोलकर मध्यप्रदेश के 15 से अधिक जिलों में अपना व्यवसाय का विस्तार किया है। कान्क्लेव कॉन्टेस्ट को अचीव करने की इस उपलब्धि के लिए संपूर्ण टायर के ग्राहकों एवं शुभ चिंतको ने हर्षवर्धन शर्मा को बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

सर्वपितृ अमावस्या पर कन्या भोज का हुआ आयोजन

बाकानेर-रविवार को सर्वपितृ अमावस्या पर श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर परिसर में कन्या पूजन के पश्चात कन्या भोज का आयोजन हुआ आज कन्या पूजन एवं कन्या भोज के लाभार्थी बाकानेर किराना व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष पिंटेश सत्यनारायण मालवीया परिवार को सौभाग्य मिला। मालवीया परिवार द्वारा कन्याओं का पूजन कर दक्षिणा भेंट की । आपको बता दे की श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर में महंत श्री सीताराम बाबा की प्रेरणा से सन 2017 से लगातार हर अमावस्या को कन्या भोज का आयोजन किया जात।

धर्म

जगत जननी माँ दुर्गा हाथी पर विराजमान होकर आ रही हैं -जो एक शुभ संकेत हैं

सजने लगे मंदिर और गरबा पंडाल : झाकियों को दिया जा रहा अंतिम स्वरूप

दस दिनों की होगी नवरात्रि

मनावर। (निर्मल जौहरी) इस वर्ष शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर सोमवार से प्रारंभ हो रही है और माँ दुर्गा का आगमन हाथी पर हो रहा है। हाथी पर माँ दुर्गा का आगमन बहुत शुभ माना जाता है। यह सुख, शांति, समृद्धि और ऐश्वर्य का प्रतीक है।

नगर में आस्था के केंद्र- सिंघाना रोड पर अति प्राचीन श्री मंगला देवी मंदिर, श्री चामुंडा देवी मंदिर और नाला प्रांगण में स्वर्णकार समाज का दुर्गा माता मंदिर स्थित है। जहां नवरात्रि पर्व भव्यता से मनाया जाएगा। मातारानी की घट स्थापना होगी। भक्तों द्वारा भक्ति भाव से पूजा अर्चना की जाएगी। नौ दिवसीय देवी पाठ, श्रीमद् देवी भागवत होगी। जागेश्वर मंदिर में संतोषी माता और थानेश्वर महादेव मंदिर में मां अन्नपूर्णा देवी विराजित है। जहां विशेष पूजन होगा। पटेल कालोनी में मां गायत्री का मंदिर है। शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में नौ दिवसीय कार्यक्रम होंगे। मानता गणेश मंदिर में मान नदी के तट पर सात मात्रा देवी और जूनी मनावर में माता विराजित है। समीपस्थ ग्राम सिंघाना में मां हरसिद्धि का प्राचीन मंदिर है जहां भारी संख्या में नगर से दर्शनार्थी पहुंचकर पूजा अर्चना करते है। श्री श्री 1008 संत श्री गजानंद जी महाराज की तपोभूमि बालीपुर धाम आस्था का केंद्र है। यहां योगेश जी महाराज, सुधाकर जी महाराज के सानिध्य में नित्य देवी अनुष्ठान होगे। समीप बाकानेर में चौसठ योगिनी मंदिर है। जहां भारी तादाद में भक्त पहुंचते है।

नगर में गरबा पंडाल भी सजने लगे है। मंदिरों की रंगाई पुताई कर लाइटिंग लगाई जा रही है। आर्टिफिशियल फूलों से भव्य सजाया जा रहा है। नगर में जगह जगह भव्य झांकी बनाकर जगतजननी मातारानी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। यहां भक्तिभाव से नवरात्रि में श्रद्धालुओं द्वारा आराधना की जाएगी। महाआरती, भजन संध्या, गरबा, नृत्य नाटिका का मंचन, जगराता और महाप्रसादी का वितरण होगा।

घटस्थापना - 22 सितंबर 2025 सोमवार को घटस्थापना के साथ नवरात्रि पर्व आरंभ होगा तथा 01 अक्टूबर 2025 को

नवमी तिथि तथा 02 अक्टूबर 2025 गुरुवार को विजयादशमी के उत्सव के साथ नवरात्रि का पर्व संपन्न होगा। इस वर्ष श्राद्ध पक्ष में एक दिन कम होने से नवरात्रि पर्व दस दिवसीय है।

कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त- कलश स्थापना मुहूर्त के अनुसार 22 सितंबर 2025 को शुभ मुहूर्त में घट स्थापना करना सबसे अच्छा बताया जा रहा है। इस दिन सर्वार्थसिद्ध योग भी बन रहा है। शारदीय नवरात्रि में यह तिथि और मुहूर्त विशेष रूप से महत्वपूर्ण माने गए हैं। वैसे नवरात्र के प्रारंभ से ही अच्छा वक्त शुरू हो जाता है। नवरात्रि पूजन से घर में सुख समृद्धि का निवास होता है।भारत में अनेक त्यौहार मनाए जाते है और हर त्यौहार की एक महान एतिहासिक पृष्ठभूमि होती है। इन्हीं त्यौहारो मे से एक नवरात्रि का त्यौहार है। यह मुख्यत- हिन्दू त्यौहार है जो देवी शक्ति दुर्गा और उनके नौ रूपो को समर्पित होता है।

नवरात्रि का अर्थ नौ विशेष रातें इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। %रात्रि% शब्द सिद्धि का प्रतीक है। दसवाँ दिन दशहरा मनाया जाता है। खासकर अश्विन मास में आने वाला नवरात्र शारदीय नवरात्र कहलाता है। भक्त माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की उपासना करेंगे और व्रत-पूजन, यज्ञ, भजन, साधना एवं संयम के माध्यम से शक्ति का आह्वान करेंगे। नवरात्रि वर्ष में चार बार आती है। माह पौष, चैत्र, आषाढ और अश्विन। यह प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्र में लोग अपनी आध्यात्मिक और मानसिक शक्ति के संचय के लिए अनेक प्रकार के व्रत, संयम, नियम, यज्ञ, भजन, पूजन, योग-साधना आदि करते हैं। यह पर्व अश्विन मास की प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, महासरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। शारदीय नवरात्र पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता हैं। नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रुपों की पूजा की जाएगी। शरद ऋतु की शुरुआत जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। यह समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माना जाता है।नवरात्रि के पहले तीन तिथि देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा माँ दुर्गा ऊर्जा व शक्ति के लिए की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है। त्योहार के पहले दिन पड़वा को बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूज को युवती की पूजा की जाती है। तीज को जो महिला परिपक्कता के चरण में पहुंच गयी है उसकी पूजा की जाती है।

नवरात्रि के चतुर्थी से छठ तक व्यक्ति सभी भौतिकवादी, आध्यात्मिक धन और समृद्धि प्राप्त करने के लिए देवी लक्ष्मी की पूजा करता है। नवरात्रि के चतुर्थी, पंचमी, छठ के दिन लक्ष्मी - समृद्धि और शांति की देवी, की पूजा करने के लिए समर्पित है। नवरात्रि के सप्तमी के दिन कला और ज्ञान की देवी, सरस्वती, की पूजा की है। अष्टमी के दिन पर एक यज्ञ किया जाता है।

नवरात्रि की नवमी का दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन कन्या पूजन और कन्या भोज होता है। पर्व का समापन विजयदशमी के दिन होता है।